Divya Himachal

ई-ताल पोर्टल से बढ़ेगी विभागों की सहभागिता

दिव्य हिमाचल ब्यूरो, शिमला

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ई-गोव के बारे दी जानकारी

राज्य सरकार और एनआईसी अधिकारियों के लिए गुरुवार को ई-ताल और ई-गोव एप्प स्टोर पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ई-ताल पोर्टल पर राज्य सरकार के विभागों की सहभागिता को बढ़ाना तथा इन्हें पुन: विकसित करने के स्थान पर मौजूदा एप्लीकेशन को दोहराने के उद्देश्य को लेकर राष्ट्रीय ई-गोव एप्प स्टोर की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी) संजीव गुप्ता ने कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखे। उन्होंने देश में सात प्रतिशत से कम लोगों के पास स्मार्ट फोन सुविधा के चलते यूएसएसडी तकनीक पर बल दिया। उन्होंने मौजूदा वेबसाइट्स को मोबाइल मित्र संस्करण में स्वत: परिवर्तित होने की प्रणाली को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। एनआईसी की उपमहानिदेशक डा. शेफाली डैश ने ई-ताल और ई-गोव एप्प स्टोर के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इनटरनेट सुविधा की शर्त पर राज्य के ऊन उत्पादकों के लिए मोबाइल एप्स विकसित करने की संभावना पर भी चर्चा की।

Dainik Jagran

शिमला में 'ई-ताल' पर लगी कार्यशाला

शिमला, 8 अक्तूबर (प्रीति): प्रदेश सरकार व एन.आई.सी. अधिकारियों के लिए वीरवार को ई-ताल और ई-गोव एप्प स्टोर पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ई-ताल पोर्टल पर राज्य सरकार के विभागों की सहभागिता बढ़ाना तथा इन्हें पुन: विकसित करने के स्थान पर मौजूदा एप्लीकेशन को दोहराने के उद्देश्य को लेकर राष्ट्रीय ई-गोव एप्प स्टोर की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव सूचना प्रौद्योगिकी संजीव गुप्ता ने कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखे। उन्होंने देश में 7 प्रतिशत से कम लोगों के पास स्मार्ट फोन सुविधा के चलते यू.एस.एस.डी. तकनीक पर बल दिया। उन्होंने मौजूदा वैबसाइट्स को मोबाइल मित्र संस्करण में स्वत: परिवर्तित होने की प्रणाली को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। एन.आई.सी. की उपमहानिदेशक डा. शेफाली डैश ने ई-ताल और ई-गोव एप्प स्टोर के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इंटरनैट सुविधा की शर्त पर राज्य के ऊन उत्पादकों के लिए मोबाइल एप्स विकसित करने की संभावना पर भी चर्चा की। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक आई.पी.एस. सेठी ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सकल कारोबार में 13वें स्थान पर है जबकि 100 की आबादी के पीछे कारोबार की संख्या में चौथे स्थान पर है। इस अवसर पर प्रतिभागियों को उनके विचारों को जानने के लिए गुणवत्तापरक अवधारणा एवं मानदंडों पर प्रस्तुति भी दी गई। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक माला मित्तल और वैज्ञानिक-सी दीपक मित्तल ने नैशनल ई-गोव एप्प स्टोर की व्यावहारिकता पर प्रकाश डाला। हिमाचल प्रदेश एन.आई.सी. अधिकारियों ने 6 परियोजनाओं को उत्पाद में परिवर्तित करने के लिए इनके मूल्यांकन एवं संस्तुतिकरण के लिए प्रस्तुति दी ताकि इन्हें अन्य राज्यों में भी दोहराया जा सके।

Punjab Kesari

ई-ताल व ई-गोव एप स्टोर का महत्व बताया

शिमला : राज्य सरकार और एनआइसी अधिकारियों के लिए वीरवार को ई-ताल और ई-गोव एप स्टोर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ई-ताल पोर्टल पर सरकारी विभागों की सहभागिता को बढ़ाना व इन्हें पुनः विकसित करने के स्थान पर मौजूदा एप्लीकेशन को दोहराने के उद्देश्य को लेकर राष्ट्रीय ई-गोव एप स्टोर की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी) संजीव गुप्ता ने कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखे। उन्होंने देश में सात प्रतिशत से कम लोगों के पास स्मार्ट फोन सुविधा के चलते यूएसएसडी तकनीक पर बल दिया। मौजूदा वैबसाइट्स को मोबाइल मित्र संस्करण में स्वतः परिवर्तित होने की प्रणाली को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। एनआइसी की उप-महानिदेशक डॉ. शैफाली डैश ने ई-ताल और ई-गोव एप स्टोर के महत्व पर प्रकाश डाला। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधा की शर्त पर राज्य के ऊन उत्पादकों के लिए मोबाईल एप विकसित करने की संभावना पर भी चर्चा की। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक आइपीएस सेठी ने जानकारी दी कि हिमाचल प्रदेश सकल कारोबार में 13वें स्थान पर है जबकि एक सौ की आबादी के पीछे कारोबार की संख्या में चौथे स्थान पर है, क्योंकि हिमाचल कम आबादी वाला राज्य है। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक माला मित्तल और वैज्ञानिक-सी दीपक मित्तल ने नेशनल ई-गोव एप स्टोर की व्यवहारिकता पर प्रकाश डाला।

Amar Ujala

शिमला

ऊन उत्पादकों के लिए भी बनेगा मोबाइल ऐप

शिमला। राज्य सरकार और एनआईसी अधिकारियों के लिए वीरवार को शिमला में ई-ताल और ई-गांव ऐप स्टोर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी) संजीव गुप्ता ने कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखे। उन्होंने देश में सात प्रतिशत से कम लोगों के पास स्मार्ट फोन सुविधा के चलते यूएसएसडी तकनीक पर बल दिया। एनआईसी की उपमहानिदेशक डा. शेफाली डैश ने ई ताल और ई-गॉव ऐप स्टोर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधा की शर्त पर राज्य के ऊन उत्पादकों के लिए मोबाइल ऐप विकसित करने की संभावना पर चर्चा की। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक आईपीएस सेठी ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सकल कारोबार में 13वें स्थान पर है। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक माला मित्तल और वैज्ञानिक-सी दीपक मित्तल ने नेशनल ई-गॉव ऐप स्टोर की व्यवहारिकता पर प्रकाश डाला। एनआईसी अधिकारियों ने 6 परियोजनाओं को उत्पाद में परिवर्तित करने के लिए इनके मूल्यांकन एवं संस्तुतिकरण के लिए प्रस्तुति दी।

The Tribune

Workshop on e-Taal

A one-day workshop on e-Taal and e-GovApp Store was held for the state government and NIC officers here on Thursday. Additional Chief Secretary (IT) Sanjeev Gupta stressed on the USSD technology due to less than 7 per cent penetration of smart phones in the country and the need to develop a solution for auto-conversion of existing websites into mobile-friendly versions.— TNS